RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com रविवार , 05 जुलाई 2026 | वर्षः 04, अंकः 105 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

साणंदः भारत बनेगा सेमीकंडक्टर हबः पीएम मोदी

गुजरात के साणंद में सीजी सेमी की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का किया उद्घाटन

साणंद/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में सीजी सेमी की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार पिछले एक दशक में आई इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति का अगला चरण है। उन्होंने कहा कि देश का लक्ष्य चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन और पैकेजिंग तक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करना है, जिससे पूरी इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन भारत में स्थापित होगी।

7,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित यह संयंत्र इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत पहली चार परियोजनाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत जो ठान लेता है, उसे पूरा करके दिखाता है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष पहले भारत ने देश को सेमीकंडक्टर हब बनाने का संकल्प लिया था और ह्यडिजाइन इन इंडियाह्न तथा ह्यमेक इन इंडियाह्न के मंत्र के साथ आगे बढ़ते हुए आज देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट में चिप पैकेजिंग का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में उन्हें इस परियोजना का शिलान्यास करने का अवसर मिला था, अगस्त 2025 में यहां टेस्टिंग चिप का काम शुरू हुआ और अब इसका उद्घाटन हो गया है। उन्होंने कहा कि शिलान्यास से उत्पादन तक का यह सफर अनेक लोगों के परिश्रम का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीजी सेमी का यह संयंत्र भारत, जापान और थाईलैंड के औद्योगिक साझेदारों के साझा प्रयासों का प्रतीक है। यह केवल एक व्यावसायिक उपक्रम नहीं बल्कि तकनीक, भरोसे और साझेदारी का ऐसा मॉडल है, जो भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को नई गति देगा।

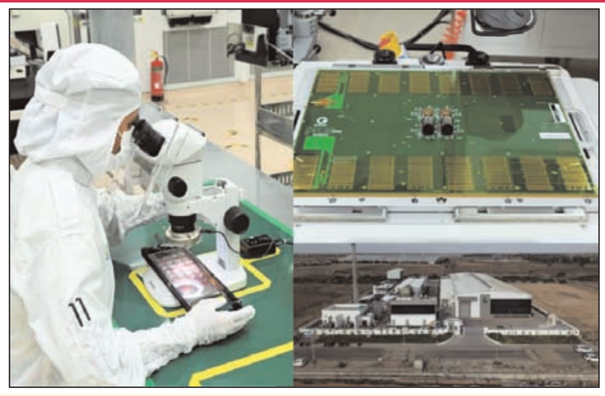

'आज का भारत बड़े लक्ष्य तय करता है और उन्हें समय पर पूरा भी करता है'

पीएम ने कहा कि यह अवसर विकसित भारत के निर्माण के प्रति देश की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष की शुरूआत में उन्होंने कहा था कि 2026 तक चार सेमीकंडक्टर सुविधाएं काम करना शुरू कर देंगी लेकिन अब उनके मंत्री ने बताया है कि यह संख्या चार नहीं बल्कि पांच हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत बड़े लक्ष्य तय करता है और उन्हें समय पर पूरा भी करता है। उन्होंने कहा कि यही भरोसा भारत दुनिया के निवेशकों को भी देता है। भारत की नीतियों में स्थिरता, निर्णयों में स्पष्टता और क्रियान्वयन में तेजी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सुधारों की जिस राह पर भारत आगे बढ़ा है, वह और गति पकड़ेगी। उन्होंने भारत में निर्मित सी-295 विमान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विमान वडोदरा में बना और उसने उड़ान भी भरी लेकिन मीडिया ने उसे पर्याप्त महत्व नहीं दिया।

सुनते हो न विनोद... काम बोलता हैः पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि कोई भी देश केवल एक फैक्टरी के दम पर वैश्विक औद्योगिक शक्ति नहीं बन सकता। अमेरिका की सिलिकॉन वैली और जापान का सिलिकॉन आइलैंड औद्योगिक क्लस्टर के महत्व के उदाहरण हैं और अब साणंद भी उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहां भारत का एक बड़ा सेमीकंडक्टर क्लस्टर विकसित हो है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं लक्ष्य छोटा नहीं रखता, मैं सोच छोटी नहीं रखता। अगर स्टैच्यू भी बनाता हूं तो दुनिया का सबसे बड़ा बनाता हूं। उन्होंने रोचक अंदाज में कहा, सुनते हो न विनोद... काम बोलता है।"

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य चिप डिजाइन से लेकर फैब्रिकेशन और पैकेजिंग तक पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करना है।

भारत जो ठान लेता है, वो करके दिखाता हैः पीएम

सेमिकॉन इंडिया कार्यक्रम स्टेप बाय स्टेप, ब्रिक बाय ब्रिक और अब चिप बाय चिप आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने पुराने प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि लगभग 20 वर्ष पहले बल्कि उससे भी पहले उन्होंने गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने की पूरी योजना तैयार कर ली थी। उन्होंने 350 से 400 एकड़ भूमि भी चिन्हित कर ली थी और कई कंपनियों से बातचीत भी की थी। उन्होंने कहा कि उस समय केंद्र सरकार की नीतिगत बाधाओं के कारण यह परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। उन्होंने कहा कि उस समय जब वह सेमीकंडक्टर की बात करते थे तो मीडिया उनका मजाक उड़ाता था लेकिन आज इस सपने को साकार होते देखकर उन्हें सबसे अधिक खुशी हो रही है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते कुछ समय में लिए गए फैसलों को रेखांकित किया। उन्होंने गुजरात के साणंद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'आज का ये कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत जो ठान लेता है, वो करके दिखाता है।

> हम डिजाइन इन इंडिया, मेक इन इंडिया के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं और आज देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट में भी चिप पैकेजिंग का कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो रहा है।
>
> *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी*

'यह टेक्नोलॉजी, भरोसे और साझेदारी का ऐसा मॉडल है, जो विकास को गति देगा'

पीएम मोदी ने कहा, 'ये केवल एक बिजनेस वेंचर्स नहीं है, ये टेक्नोलॉजी, भरोसे और साझेदारी का ऐसा मॉडल है जो भारत की सेमीकंडक्टर जर्नी को नई गति देने वाला है। पांच साल पहले, भारत ने ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब बनने का संकल्प लिया था। 'डिजाइन इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' के विजन से प्रेरित होकर, हम लगातार आगे बढ़े हैं। आज, देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट में कमर्शियल चिप पैकेजिंग का प्रोडक्शन शुरू हो गया है। गुजरात के इल प्लांट में हर साल कितने चिप का उत्पादन होगा?

साणंद के इस प्लांट में उत्पादन शुरू होने की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे बताया गया है कि अभी यहां से हर साल 20 करोड़ चिप निकलेंगे। मेरा पक्का विश्वास है कि आप उसे जल्द हासिल करके रहेंगे। ये भरोसा इस बात का भी है कि सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम तेज गति पकड़ रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा ने 500 किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट का किया उद्घाटन

नई दिल्ली/एजेंसी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पालम विधानसभा के द्वारका सेक्टर-7 स्थित एयर फोर्स और नेवल ऑफिसर्स एन्क्लेव में 500 किलोवॉट क्षमता के सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्लांट सोसाइटी के लगभग 375 घरों की बिजली जरूरतों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करेगा। इस अवसर पर दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, पालम के विधायक कुलदीप सोलंकी, पूर्व विधायक धर्म देव सोलंकी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देशभर में सौर ऊर्जा को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दिल्ली सरकार भी इसी संकल्प के साथ राजधानी में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र और दिल्ली सरकार की योजनाओं के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को एक लाख रुपये से अधिक की संयुक्त सब्सिडी देकर रूफटॉप सोलर अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने लोगों से सौर ऊर्जा अपनाकर बिजली बिल कम करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

लूट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, लूट का माल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 27 जून को थाना मंझनपुर पर वादी गणेश प्रसाद सोनी पुत्र स्व0 गोपीचन्द सोनी निवासी भड़ेसर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि आज शाम समय लगभग 7:15 बजे समदा चौराहा पर स्थित अपनी ज्वेलरी की दुकान बंद कर-के वह अपने घर वापस जा रहे थे। तभी रास्ते में एक मोटरसाइकिल पर सवार 03 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा इनका मोबाइल फोन तथा एक बैग (जिसमें रखी कुछ ज्वेलरी, रुपए एवं प्रपत्र) लूट लिये गए हैं ।एक जुलाई की रात्रि में घटना से

सम्बन्धित 2 अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया जा चुका है ।

थाना मंझनपुर पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मुकेश सोनी पुत्र शिव शंकर सोनी निवासी पूरे नन्हा शुक्ला हीरागंज बाजार थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ को कचहरी रोड़ नहर के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की निशादेही पर लूट की एक सफेद धातु की सिल्ली वजन लगभग 315 ग्राम एवं एक वीवो मोबाइल व 1714 रुपए बरामद किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि मेरे साथी अंचू व राजाराम के द्वारा 27 जून को लूट कर लाये गये सोने-चाँदी के आभूषणों को मैने गलाकर उसकी सिल्ली बना दिया था जिससे उसे कोई पहचान न सके एवं बाजार में आसानी से बेचा जा सकें । उक्त लूट के माल को हम लोगों ने आपस में बाट लिया था जिसमें मेरे हिस्से में यह चांदी की सिल्ली आयी थी ।

पश्चिम शरीरा पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी ।एसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त विमलेश कुमार पुत्र दूजे निवासी दमद का पुरवा मजरा पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

डीएम एसपी ने की समीक्षा, गैंगस्टर के अपराधियों पर कार्रवाई के लिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। शनिवार को गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट फतेहपुर में जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत लंबित एवं प्रस्तावित कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में गैंगस्टर अधिनियम के प्रकरणों में प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण विवेचना, अभियोजन की प्रगति तथा अपराधियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी बिंदकी, क्षेत्राधिकारी खागा, अभियोजन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को थाना कल्यानपुर पुलिस द्वारा दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त सूरज पुत्र विजयकरन नि० ग्रा० बेनी हरिसिंहपुर थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर मा० न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कप्तान ने कार्यालय में पीड़ितों की सुनी फरियाद

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय में आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान की जाए।

एसडीएम ने ग्राम रसूलपुर बड़गांव में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर ही कराया निस्तारण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। राजस्व टीम कौशाम्बी द्वारा "टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान" अभियान के अंतर्गत उप जिलाधिकारी,मंझनपुर आकाश सिंह ने आज ग्राम रसूलपुर बड़गांव में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया।

कैंप में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता राम अभिलाष की शिकायत पर ग्राम की आराजी संख्या 121 मि0, बंजर भूमि की पैमाइश कर चिन्हित किया गया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता रामराज की शिकायत पर ग्राम की आराजी संख्या 333, चकरोड की पैमाइश कर चिन्हित किया गया।
उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मजदूरों को बंधक बनाने का सनसनीखेज आरोप जांच में पूरी तरह भ्रामक मिला

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम सद्दोबेर उर्फ बेरखा में तीन मूक-बधिर एवं मंदबुद्धि मजदूरों को बंधक बनाकर जबरन मजदूरी कराने के आरोप पुलिस जांच में सही नहीं पाए गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर की अगुवाई में की गई जांच में शिकायत के तथ्यों की पड़ताल की गई, जिसमें बंधक बनाए जाने का कोई साक्ष्य नहीं मिला। पुलिस ने मामले को असत्य एवं भ्रामक बताते हुए आरोपों को खारिज कर दिया है।
पुलिस के अनुसार ग्राम सद्दोबेर उर्फ बेरखा निवासी सत्येंद्र चौहान द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच कराई गई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सभी पक्षों से जानकारी जुटाई।
पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि जांच के दौरान उन तीनों मजदूरों से भी बातचीत की गई, जिन्हें शिकायत में बंधक बताया गया था। मजदूरों ने पुलिस को बताया कि वे अपनी इच्छा से वहां मजदूरी कर रहे हैं और उन्हें किसी प्रकार के दबाव या बंधन में नहीं रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मेहनत-मजदूरी से मिलने वाली आय से वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं।
जांच के दौरान पुलिस ने मजदूरों के परिजनों से भी संपर्क किया। परिजनों ने भी बयान दिया कि उनके परिजनों को किसी ने बंधक नहीं बनाया है और न ही उनके साथ किसी प्रकार का अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है।
पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि मौके पर बंधक बनाकर मजदूरी कराने संबंधी कोई तथ्य या साक्ष्य नहीं मिला। जांच में शिकायत के आरोप असत्य और भ्रामक पाए गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि मामले में तथ्यों के आधार पर जांच पूरी कर ली गई है।

एसपी ने बदली थाना प्रभारियों की जिम्मेदारियां

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। जारी तबादला आदेश के तहत चार थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पुलिस महकमे में हुए इस बदलाव को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार धामपुर के प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार को स्थानांतरित कर अफजलगढ़ थाने का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं, नहटौर के प्रभारी निरीक्षक रवींद्र प्रताप सिंह को धामपुर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
इसी क्रम में हल्दौर के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण अवतार का तबादला कर उन्हें नहटौर थाने का प्रभारी बनाया गया है। जबकि अफजलगढ़ में तैनात थाना प्रभारी उप निरीक्षक विजेंद्र सिंह राठी को हल्दौर थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है।
पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्यस्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि यह फेरबदल जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा पुलिसिंग को अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने की दृष्टि से किया गया है।

टैग लगे गौवंशों के अवशेष धुमाई के जंगल में मिलने से हड़कंप,गोकशी के आरोप और प्रशासन का अलग दावा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के धुमाई गांव के जंगल में गेंदिया नदी के किनारे टैग लगे कई गौवंशों के अवशेष मिलने से शनिवार दोपहर को हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय गौ रक्षा परिषद के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस और पशुपालन विभाग की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय गौ रक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष राजवीर मौर्य ने बताया कि उन्होंने मामले की सूचना तत्काल सिराथू क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र कुमार तिवारी को दी। उस समय फतेहपुर

जनपद के खखरेरू थाना पुलिस भी मौके पर मौजूद थी।पशुधन अधिकारी संजय कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर अवशेषों की जांच की। यह स्थान फतेहपुर जनपद के बिछियांवा गांव स्थित अस्थायी गौशाला से लगभग 200 मीटर की दूरी पर,कौशाम्बी के धुमाई जंगल में गेंदिया नदी के किनारे स्थित है।पुलिस अधिकारियों और पशुपालन विभाग का कहना है कि मौके पर मिले अवशेष उन गौवंशों के हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी थी अथवा जो मरणासन्न अवस्था में थे।अधिकारियों के अनुसार ऐसे पशुओं को संबंधित गौशाला के कर्मचारी यहां लाकर फेंक जाते थे।वहीं राष्ट्रीय बजरंग दल एवं राष्ट्रीय गौ रक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष राजवीर मौर्य तथा फतेहपुर गौरक्षा समिति के आशीष शुक्ला ने प्रशासन के इस दावे पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि घटनास्थल पर गौवंशों की हत्या की जा रही है। उनका कहना है कि मौके पर पेड़ो से बंधी रस्सियां और संदिग्ध रक्त के निशान मिले हैं,जो गोकशी की आशंका को मजबूत करते हैं। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही गौशालाओं की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए।मामले को लेकर क्षेत्र में काफी देर तक चर्चा का माहौल बना रहा।सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। जांच के बाद पशुपालन विभाग और पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी की सहायता से मिले अवशेषों को नदी किनारे गड्ढा खोदकर डिस्पोज कर दिया गया।

कड़ा धाम में लगने वाले मेल को लेकर एएसपी ने पुलिस बल की ब्रीफिंग, जेब कतरों पर रखे नजर, दिए निर्देश

हनुमान प्रसाद शुक्ल
कौशांबी । मां शीतला धाम, कड़ा धाम में आयोजित आषाढ़ मेला-2026 के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में शनिवार को एएसपी श्रीमती अमिता सिंह द्वारा मेला ड्यूटी में नियुक्त समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विस्तृत ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
ब्रीफिंग के दौरान एएसपी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन, सुरक्षित गंगा स्नान तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को पूर्ण सतर्कता, अनुशासन, संवेदनशीलता एवं सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा प्रत्येक श्रद्धालु के साथ शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश दिए।

एएसपी ने मंदिर परिसर, गंगा घाटों, पार्किंग स्थलों, प्रमुख चौराहों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, महिला एवं बाल सुरक्षा सुनिश्चित करने, वरिष्ठ नागरिकों की सहायता करने तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।
अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी ड्यूटी कर्मियों को समय से अपने ड्यूटी स्थल पर उपस्थित रहकर निरंतर भ्रमणशील रहने तथा श्रद्धालुओं को निर्धारित पार्किंग, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षित स्नान क्षेत्र एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन कराने हेतु प्रभावी उद्घोषणा एवं जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
विशेष रूप से निर्देशित किया कि गंगा घाटों पर स्थापित फ्लोटिंग बैरियर के बाहर किसी भी श्रद्धालु को न जाने दिया जाए तथा जल पुलिस, गोताखोरों एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखा जाए। साथ ही जेबकतरों, असामाजिक तत्वों एवं यातायात व्यवस्था बाधित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव हसनपुरा जट में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हलचल मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। वन विभाग की टीम ने तेंदुए का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे रेंज कार्यालय पहुंचाया, जहां उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है।
बताया गया कि पिछले काफी समय से बिजनौर जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुओं की आवाजाही से लोग दहशत में थे। कई स्थानों पर तेंदुओं द्वारा इंसानों और पालतू पशुओं पर हमले की घटनाएं भी सामने आई थीं। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद वन विभाग लगातार पिंजरे लगाकर निगरानी कर रहा था और लोगों को सतर्क रहने के लिए जागरूक भी कर रहा था।

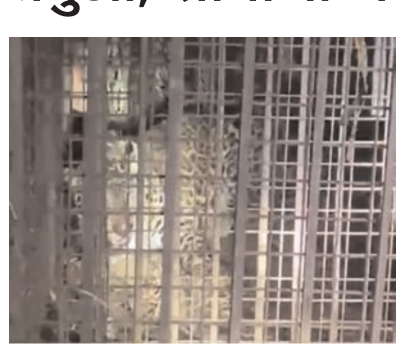

हसनपुरा जट गांव में भी ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग ने एक दिन पहले जंगल के समीप पिंजरा लगाया था। देर रात शिकार की तलाश में आया तेंदुआ उसी पिंजरे में फंस गया।
सुबह जब ग्रामीणों ने पिंजरे में तेंदुए को देखा तो मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।
वन विभाग के अनुसार पकड़ा गया तेंदुआ नर प्रजाति का है और उसकी उम्र लगभग आठ वर्ष आंकी गई है। क्षेत्रीय वन अधिकारी महेश गौतम ने बताया कि तेंदुए को सुरक्षित रेंज कार्यालय लाकर उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। स्वास्थ्य परीक्षण पूरा होने के बाद नियमानुसार उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

गांव की महिलाओं को साइबर अपराध के बारे में किया जगरूक

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों तथा नए आपराधिक कानूनों की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही सास-बहू सम्मेलन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई।
इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा सहित महिला हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं संबंधित थानों के सीयूजी नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस के प्रयास से पांच परिवार साथ रहने के हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के निर्देश के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मंझनपुर कौशांबी के पर्यवेक्षण के आधार पर परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी अर्चना चौबे एवं टीम द्वारा 21 फाइलों मे उपस्थित दोनों पक्षों की काउंसलिंग की गई जिसमें काउंसलिंग के दौरान 05 फाइल में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति बनी की हम दोनों का समझौता कर लिया गया। परिवार परामर्श केंद्र के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा दोनों पक्ष (पति-पत्नी) को उनके जीवन के पारिवारिक कर्तव्यों को बताते हुए समझाया गया। दोनों पक्ष (पति-पत्नी) व परिजनों द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है।

अब हम दोनों पक्ष आपसी सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो (पति-पत्नी) का सुलह समझौता कराया गया ।दोनों पक्षों द्वारा बताया गया कि अब हम दोनो पक्ष एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे ।परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो को सलाह दिया गया कि अपने से बड़ों का सम्मान करते हुए अपने जीवन की नई शुरूआत करें। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्ष (पति-पत्नी) को फीडबैक का दिनांक देते हुए परिवार परामर्श केंद्र के रजिस्टर पर हस्ताक्षर कराया गया। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध व महिला सशक्तिकरण के लिए शासन द्वारा चलाए गए सभी हेल्पलाइन नंबर को विस्तृत तरीके से समझा कर तथा मतदान के प्रति जागरूक किया गया।

किसान क्रेडिट कार्ड संतृप्तिकरण अभियान के बारे में सीडीओ ने की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनपद के सभी पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिलाये जाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी कौशाम्बी द्वारा शनिवार को विकास भवन में समीक्षा की गई । समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, सहायक निबंधक सहकारिता आदि उपस्थित रहे।
मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जनपद में किसान क्रेडिट कार्ड (ड्उउ) के नवीनीकरण एवं नए किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाने हेतु दिनांक 06 जुलाई 2026 से 26 जुलाई 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निम्नलिखित निर्देश भी दिए गए-
जनपद के सभी ग्राम पंचायत में किसान क्रेडिट कार्ड कैम्प (शिविर) लगाए जाएंगे। कृषि विभाग द्वारा शिविर आयोजित किये जाने का रोस्टर तैयार कर उसकी सूचना ग्राम पंचायतों में उपलब्ध करा दी जाए।
शिविरों का आयोजन संबंधित पंचायत भवन, बैंक शाखा परिसर अथवा प्राथमिक पाठशाला जैसे उपयुक्त सार्वजनिक स्थलों पर किया जाए।
अग्रणी जिला प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, कौशाम्बी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी बैंक शाखाओं की सक्रिय सहभागिता रहे तथा शिविरों में आवश्यक बैंक प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त सभी शाखाओं पर किसान क्रेडिट कार्ड अभियान का बैनर लगाएंगे।

सहायक निबंधक, सहकारिता द्वारा भी बी-पैक्स समितियों के माध्यम से पात्र कृषकों को साधन सहकारी बैंक द्वारा अधिक से अधिक कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरण कराने के निर्देश दिए गए।
सहायक निदेशक, मत्स्य एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि पात्र मत्स्य पालकों एवं पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ने हेतु शिविरों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाए।
उप कृषि निदेशक, कौशाम्बी द्वारा एफपीओ के माध्यम से पात्र कृषकों को अभियान में सम्मिलित कराने हेतु निर्देश दिया गया।
शिविरों के आयोजन, प्रचार-प्रसार एवं समन्वय की समस्त व्यवस्था संबंधित विभागों द्वारा आपसी सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी।
मुख्य विकास अधिकारी कौशांबी द्वारा कृषकों से अपील की गई कि जनपद के सभी किसान कैम्प में या अपने अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करें। किसी भी समस्या के लिए जिला कृषि अधिकारी या जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक से संपर्क करें।

6 जुलाई की महापंचायत को लेकर भाकियू अ ने झोंकी ताकत गांव गांव चल रहा प्रचार प्रसार

किसान को जेल भेजने को लेकर जिले के किसानों में गुस्सा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। महापंचायत को लेकर भाकियू अ ने ताकत झोंक दी हैं। गांव गांव प्रचार प्रसार चल रहा है और किसानों से महापंचायत में पहुंचने का आह्वान किया जा रहा है। प्रकरण में किसान को जेल भेजने को लेकर जिले के किसानों में गुस्सा हैं।

भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही ने बताया कि 6 जुलाई को नजीबाबाद में प्रस्तावित किसान पंचायत को लेकर पूरे जनपद में तैयारियां तेज हो गई हैं। पंचायत को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय

किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारी लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से पंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही ने बताया कि पंचायत स्थल पर आने वाले किसानों और आमजन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। 5 से अधिक भंडारों की व्यवस्था की गई है, जहां दिनभर भोजन एवं जलपान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। 2 भंडारों की जिम्मेदारी सिख समाज के लोगों ने, 1 भंडार ग्राम आलोपुर ने अपने स्तर पर संभाली है । जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही का दावा है कि पंचायत में शामिल होने के लिए किसान बसों, ट्रेनों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, निजी वाहनों और अन्य साधनों से नजीबाबाद की ओर कूच करेंगे।

जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान महापंचायत में पहुंचेंगे। जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही के अनुसार न्याय की लड़ाई को लेकर बिजनौर के अलावा अन्य जनपदों के लोग महापंचायत में पहुंचने की तैयारी कर रहे है। बाहरी जिलों के लोग एवं सामाजिक प्रतिनिधियों के फोन लगातार आ रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का कहना है कि पंचायत का उद्देश्य न्याय और किसानों की आवाज को मजबूती से उठाना है। इसी को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

अपहरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अतुल पांडेय
सबसे तेज प्रयागराज

सोरांव । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना अपहरण से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अमन खान पुत्र शेरा खान उर्फ मेराजुद्दीन निवासी ग्राम मोहम्मदपुर नौगवां उर्फ डोमनीमऊ थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सोरांव पुलिस टीम द्वारा शनिवार को थाना सोरांव क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बरईशिव स्थित सब्जी मण्डी के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 आलोक कुमार गौड, रि0का0 सन्दीप गिरी, थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।

मानव जीवन के अस्तित्व का आधार है वृक्ष - शशांक मिश्र

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। ब्लॉक मुख्यालय के प्रांगण में वन विभाग द्वारा शनिवार को वन महोत्सव के तहत वृहद पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया। जिसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख बहरिया शंशाक मिश्रा ने की। पौधरोपण करते हुए ब्लाक प्रमुख ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार भी हैं। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते भूजल स्तर जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है।

वन रेंजर फूलपुर लक्ष्मी कांत दूबे ने भी लोगों को प्रेरित करते हुये कहा कि अगर हम को पर्यावरण को बचाना है तो पौध जरुर लगाइये। उन्होंने बताया कि विकास खंड बहरिया के 87 ग्राम पंचायतों में वन विभाग की तरफ से चालीस हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये हमारा विभाग ग्राम प्रधानों से सम्पर्क कर के उनसे जमीन उपलब्ध कराने के लिये प्रयास कर रहा है। जिस ग्राम पंचायत में जमीन उपलब्ध नहीं है तो ऐसी स्थिति में अमृत सरोवर पर ही पौधरोपण करवाया जाएगा। पौधारोपण की शुरूआत ग्राम पंचायत नेवादा और बीबीपुर से शुरू की जायेगी । वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों ने भी विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस मौके पर वन दरोगा अखिलेश रावत, प्रेम चंद्र बिन्द, वीरेन्द्र यादव, पूर्व प्रधान जयशंकर मिश्रा,पंकज श्रीवास्तव, लव गुप्ता,अमन सोनी, सीताराम यादव, अशोक सरोज राजाराम प्रजापति आदि लोग मौजूद रहे।

सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में महिला गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा लोक सेवक के कार्य में बाधा, सरकारी आदेश की अवेहलना एवं सरकारी कार्य के दौरान आत्महत्या के प्रयास के अभियोग से संबंधित वांछित एक महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि

30 जून को वादी उ0नि0 हेमन्त थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर द्वारा थाना गाजीपुर में तहरीरी सूचना दी गई कि सुचित्रा पत्नी अरविन्द यादव, रामदुलारी पत्नी भीम सिंह यादव एवं धर्मेन्द्र यादव पुत्र श्याम सिंह निवासीगण ग्राम मोहम्मदपुर, थाना गाजीपुर, जनपद फतेहपुर द्वारा एक राय होकर शासकीय कार्य में बाधा डालने, लोक सेवकों को डराने-धमकाने एवं पेट्रोल डालकर जलने की धमकी दी गई है। इस सम्बंध में थाना गाजीपुर में धारा 221/223/226/3(5) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया। स्थानीय पुलिस अतिक्रमण हटाने गई थी। पुलिस की मौजूदगी में अभियुक्तों द्वारा स्वंय को जलाने की कोशिश की गयी जिसके आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 109 बीएनएस की बढोत्तरी की गयी। शनिवार को दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे इन सभी को उसके निवास स्थान ग्राम मोहम्मदपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्ता को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

एसपी से मिले संजय तिवारी

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। बहुत ही तेज तर्रार आईपीएस पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर को पुष्पगुच्छ भेज कर स्नेहिल एवं शिष्टाचारिक भेट करते हुए संजय तिवारी जिला अध्यक्ष गंगापार प्रयागराज अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद सतुआ बाबा शिष्य अध्यक्ष शिव दरबार शनि देव धाम प्रयागराज।

कप्तान ने थाना प्रभारियों के साथ की गोष्ठी, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस लाइन फतेहपुर के सम्मेलन कक्ष में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा जनपद में गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत अभियोगों, अभियुक्तों के विरुद्ध की जा रही प्रभावी कार्यवाही, संपत्ति जब्तीकरण, लंबित प्रकरणों की प्रगति एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही विधिक कार्रवाई की बिंदुवार समीक्षा की गई। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि संगठित अपराध में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं वैधानिक कार्यवाही की जाए।

हंडिया पुलिस द्वारा वांछित महिला समेत दो वांछित गिरफ्तार

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में थाना हण्डिया से सम्बंधित 2 वांछित अभियुक्त लल्ला उर्फ लल्लन उर्फ किशन पुत्र ननकूराम . गौरी पुत्री ननकूराम निवासीगण सेवना मर्रो थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा शनिवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम दुसौती के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बनपुरवा सरायपीथा निवासी संतोष कुमार पुत्र स्व0 इन्द्रजीत द्वारा दिनांक-11.06.2026 को पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने पर प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-291/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप सरोज, थाना हण्डिया, उ0नि0 रामआशीष. उ0नि0 ज्ञानेन्द्र सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

जनेश्वर मिश्र की जयंती पर प्रदेश भर से जुटेंगे लाखों प्रबुद्ध जन – सनातन पाण्डेय

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र 'छोटे लोहिया' की जयंती पर 5 अगस्त को जनेश्वर मिश्र पार्क में प्रबुद्धजन सहित बड़ी संख्या में समाजवादियों का जमावड़ा होगा।

समाजवादी नेता व बलिया के सांसद सनातन पाण्डेय ने शनिवार को प्रयागराज में पत्रकारवार्ता में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जनेश्वर मिश्र की जयंती लोकतंत्र और संविधान बचाने, समाज में आपसी सद्भाव और सामाजिक न्याय लाने के संकल्प के साथ मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश को जहां विभिन्न भाषा, संस्कृति, वेशभूषा, खानपान और जीवन शैली के लोग रहते हैं। इन सबका विकास समाजवादी

विचारधारा पर चलकर ही किया जा सकता है। कहा कि वर्तमान में इस देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के नाम पर छल, प्रपंच करने वालों, आपसी भाईचारे को बिगाड़ने वालों, धार्मिक स्थलों, नदियों के नाम पर राजनीति करने वाले सक्रिय हो गए हैं लेकिन देश की ऐतिहासिक परम्परा रही है कि ऐसे तानाशाही सत्ताधीशों को समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने हमेशा चुनौती दी है और समय अब आ गया है। प्रदेश प्रवक्ता दान बहादुर सिंह मधुर ने बताया कि इसके पूर्व सांसद सनातन पाण्डेय ने जिले भर से आये प्रबुद्ध समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की और पांच अगस्त के कार्यक्रम को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन एवं संचालन आशुतोष तिवारी ने किया। बैठक के प्रमुख वक्ताओं में एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायक संदीप पटेल, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद, रावेन्द्र मिश्रा उर्फ रवि, पूर्व मंत्री श्रीमती मीना तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, मनोज पाण्डेय , बब्बन दुबे, हिमांशु त्रिपाठी, प्रकाश चंद्र त्रिपाठी, पूर्व ब्लाक प्रमुख गायत्री प्रसाद उर्फ मंडन तिवारी, श्रीमती सत्यभामा मिश्रा, डॉ पूजा मिश्रा, पवन द्विवेदी, नितेश तिवारी एसबी पाण्डेय आदि रहे।

सीएसजेएमयू के विभिन्न विभागों में दूसरे दिन भी दीक्षारंभ कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में दीक्षारंभ-2026 के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न विभागों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पुस्तकालय, डिजिटल संसाधनों, प्लेसमेंट, छात्र कल्याण योजनाओं, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों सहित विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विशेषज्ञों और अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों, शोध, नेतृत्व क्षमता और करियर निर्माण के प्रति प्रेरित किया।

अटल बिहारी वाजपेई स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन

रिजवी मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश रेरा अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुनीत कुमार तथा उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता अजय कुमार अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। न्यायमूर्ति रिजवी ने कहा कि विधि शिक्षा का उद्देश्य समाज में न्याय सुनिश्चित करना है और विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा व संवैधानिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाना चाहिए। न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने साइबर लॉ, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स और आर्बिट्रेशन जैसे उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने पर जोर दिया। अजय कुमार अग्रवाल ने ईमानदारी और सेवा भाव को सफलता की कुंजी बताया। कार्यक्रम में विभाग की निदेशक डॉ. स्मृति रॉय सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक डॉ. अमित कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अनुशासन, परिश्रम और उत्तम चरित्र के महत्व पर प्रकाश डाला। डीन प्रो. संदीप कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग में दीक्षारंभ कार्यक्रम, उद्योग विशेषज्ञ ने बताए सफल करियर के सूत्र

कानपुर।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ-2026 कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक व्यवस्था, प्रयोगशालाओं, छात्र कल्याण सेवाओं और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नवाचार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विभाग के सभी फैकल्टी सदस्यों ने नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें कठिन परिश्रम, अनुशासन, संयम और उत्तम चरित्र के महत्व से अवगत कराया।

मुख्य अतिथि अमर फार्मा के टेक्निकल डायरेक्टर सुयश गुलाटी ने फार्मास्यूटिकल उद्योग में उपलब्ध अवसरों और बदलती आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख कौशल विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि छात्र समय रहते अपने ज्ञान और कौशल को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप विकसित करें तो उनके लिए बेहतर करियर के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

विभाग की निर्देशिका डॉ. निशा शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में करियर और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से जिज्ञासु, रचनात्मक और आजीवन सीखने की भावना बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि किरण मिश्रा ने किया। असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. प्रकाश चंद गुप्ता ने विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक सुविधाओं, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और अन्य संसाधनों की जानकारी दी। अंत में असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. अनुप्रिया कपूर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभाग के सभी शिक्षक एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसके बाद विद्यार्थियों के लिए छात्रावास में भोजन की व्यवस्था की गई।

लूट का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। तीन माह पहले फूलपुर थाना क्षेत्र में निमंत्रण देकर लौट रहे युवक के साथ हुए लूट के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक फूलपुर शेषनाथ पाल के निर्देश पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक सौरभ पांडेय क्षेत्र में चोरी लूट के घटनाओं के खुलासे के लिए चेकिंग कर रहे थे इसी बीच मुखबिर की सूचना पर लूट से सम्बन्धित अभियुक्त कार्तिक सिंह पुत्र राजेश कुमार गौतम निवासी ग्राम हिरामनपुर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा पुलिस मुख्यालय प्रयागराज के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

प्रभारी निरीक्षक शेषनाथ पाल ने बताया कि दिनांक-19.04.2026 को वादी मुकदमा द्वारा निमन्त्रण से घर जाते समय थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत दलपतपुर रामपुर के पास अज्ञात बदमाशों द्वारा मुकदमा वादी की मोटरसाइकिल रोकवाकर मार-पीट की गयी एवं मोबाइल फोन छीन लिया गया व धमकाकर मोबाइल का पिन ले लिया गया था तथा किसी से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गयी थी, जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना फूलपुर पर मु0अ0सं0-128/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था ।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख का भांजा शांति भंग में गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशांबी सत्यनारायण के निर्देश पर नवागत थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह चार्ज संभालते ही शनिवार को अपराधियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख साउद के भांजे को गिरफ्तार कर शांति भंग में न्यायालय भेज दिया गया। वहीं पूर्व ब्लाक प्रमुख के भांजे की शांति भांग में चालान होने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। इतना ही नहीं चर्चा यह भी रही की क्षेत्र में गुंडई आए दिन गरीबों को सताना पेसा हो गया था। थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह आज चार्ज लिए और क्षेत्र के अपराधियों के बारे में जानकारी जुटा रहे थे इसी बीच मुखबिर की सूचना मिलते ही पूर्व ब्लॉक प्रमुख का भांजा सबलू व मोहम्मद शाद पुत्र गण मोहम्मद आजम निवासी गण लोहड़ा थाना संदीपन घाट जनपद कौशांबी का चालान अंतर्गत धारा 170 इठरर में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

डीएम के द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के लिए बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

दैनिक सब पर नजर

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 02, 03 एवं 4 जुलाई को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी)-2026 परीक्षा के तीसरे दिवस पर परीक्षा को निर्धारित प्रक्रियानुसार सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, नकलविहीन व शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत शनिवार को मेरी वाना मेकर गर्ल्स स्कूल एंड कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों में बनाये गये परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु नियुक्त सेक्टर मजिस्टेज्टों को परीक्षा अवधि के दौरान अपने सेक्टर के परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमणशील रहकर परीक्षा को सकुशलढंग से सम्पन्न कराने एवं परीक्षा की समाप्ति के उपरांत परीक्षा सामग्री को जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त स्टैटिक मजिस्टेज्टों को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुसार परीक्षा केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें एवं अपेक्षित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बनाये हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरो के माध्यम से हो रही मॉनिटरिंग को भी देखा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापक से परीक्षा संचालन संबंधी जानकारिया प्राप्त की तथा परीक्षा में तैनात कार्मिकों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल एवं सकुशल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

संपादकीय

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

प्रो. आरके जैन अरिजीत

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। व्हाट्सऐप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया। मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को?

पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूजरनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि यूजरनेम की जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है।

भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना, अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है।

इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है।

फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है।

यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है। यदि मेटा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्थानीय परीक्षण नहीं किए, तो जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। केवल एल्गोरिद्म पर्याप्त नहीं; स्थानीय भाषाओं की समझ, प्रभावी शिकायत निवारण, त्वरित सत्यापन और संदिग्ध खातों पर फौरन कार्रवाई भी अनिवार्य होगी।

दरअसल, यह विवाद केवल व्हाट्सएप के एक फीचर का नहीं, बल्कि वैश्विक टेक कंपनियों और राष्ट्र-राज्यों के बीच बढ़ते उस संघर्ष का है, जिसमें सवाल है कि डिजिटल दुनिया के नियम कौन तय करेगा। मेटा जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म हर देश की सामाजिक, कानूनी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। भारत पहले ही डेटा लोकलाइजेशन, इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल डेटा संरक्षण जैसे मुद्दों पर स्पष्ट कर चुका है कि विदेशी कंपनियों को यहां केवल कारोबार नहीं, बल्कि भारतीय कानूनों और राष्ट्रीय हितों का भी सम्मान करना होगा। व्हाट्सएप का यह मामला उसी सोच की अगली कड़ी है, जहां डिजिटल संप्रभुता नारा नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।

असल चुनौती यूजरनेम नहीं, उस पर कायम होने वाला विश्वास है। जिस डिजिटल पहचान की विश्वसनीयता संदिग्ध हो, उसकी प्राइवेसी भी अर्थहीन हो जाती है। मेटा को अपने सुरक्षा मानकों, पहचान सत्यापन प्रणाली और दुरुपयोग रोकने की रणनीति पूरी पारदर्शिता से सार्वजनिक करनी चाहिए। वहीं, उपयोगकताओं को भी ऐसे यूजरनेम चुनने से बचना होगा जो आसानी से अनुमानित हों या अन्य प्लेटफॉर्मों पर पहले से इस्तेमाल हो रहे हों, और किसी भी संदिग्ध प्रोफाइल या संदेश पर बिना पुष्टि भरोसा नहीं करना चाहिए। सरकार का यह समयोचित हस्तक्षेप स्पष्ट करता है कि डिजिटल भारत में नवाचार का स्वागत होगा, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। क्योंकि यदि पहचान की सुरक्षा कमजोर पड़ी, तो आने वाले समय में मोबाइल नंबर नहीं, नाम ही सबसे बड़ी चोरी बन जाएगा।

योगी की सच से झूठ अलग करने की कोशिश

संजय सक्सेना

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित गड़बड़ी का मामला अब केवल आस्था और आपराधिक जांच का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में उभरता दिख जरूर रहा है, लेकिन ऐसा हो पायेगा, यह समय बतायेगा। 07 जून को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को सार्वजनिक करते हुए योगी सरकार पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजी दिखाते हुए 13 जून को राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। जांच टीम ने मंदिर परिसर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और दान गिनने वाले कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। शुरूआती जांच में ही चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। करीब 2 करोड़ रुपये नकद, एक कार और तीन आईफोन बरामद होने का दावा किया गया, जबकि कुछ कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। बाद में एसआईटी की 20 पन्नों की रिपोर्ट में और भी गंभीर तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 घटनाएं दर्ज हुईं और यह कथित रैकेट पिछले दो से तीन वर्षों से सक्रिय था। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव के पास बिना किसी आदेश के हुंडियों की चाबियां मौजूद थीं, और पूछताछ में कुछ सरकारी बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले।

रिपोर्ट आने के बाद योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग-अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार-बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। लेकिन सियासी पिच पर यह मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद योगी और भाजपा ने भी पलटवार में देर नहीं की। सीएम योगी ने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान ही थानों और जेलों में जन्माष्टमी मनाने पर रोक लगाई गई थी और कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। साथ ही कारसेवकों पर गोली चलाने के अतीत को दोहराकर बीजेपी ने सपा को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह त्वरित और कठोर कार्रवाई अखिलेश के उस आरोप की धार कुंद करने की रणनीति है कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। देवरिया की एक सभा में सीएम योगी ने और तीखा रुख अपनाते हुए कहा, अयोध्या पर आक्षेप मत करो, प्रभु श्रीराम की मयार्दा का पालन करना सीखो।

इस पूरे विवाद में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी सहित लगभग सभी विपक्षी दल सक्रिय हो गए हैं। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने भी योगी सरकार को घेरते हुए कहा था कि राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में दान राशि की कथित चोरी बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष व पारदर्शी जांच होनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दिल्ली से अरविंद केजरीवाल भी अयोध्या पहुंचे, जिस पर सीएम योगी ने तीखा तंज कसते हुए भाजपा की डबल इंजन सरकार की तुलना आम आदमी पार्टी शासन से कर डाली। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस मुद्दे पर हर दल की रणनीति अलग-अलग समीकरणों से जुड़ी है। सपा के लिए यह मामला सॉफ्ट हिन्दुत्व की छवि गढ़ने का मौका है, ताकि हिन्दू मतदाताओं के एक हिस्से को यह संदेश दिया जा सके कि पार्टी आस्था के मुद्दों पर उदासीन नहीं है। लेकिन इसका एक जोखिम भरा पहलू भी है कि अगर यह रणनीति ज्यादा आक्रामक हुई, तो पार्टी के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक में भ्रम की स्थिति बन सकती है, खासकर तब, जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश में जुटी है।

इथेनॉल का महाबुलबुला: टैक्सपेयर के पैसे पर खड़ा औद्योगिक ढांचा

के. पी. मलिक

भारत में इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को सरकार ने जोर-शोर से ऊर्जा सुरक्षा, किसानों की आय बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात में कमी और पर्यावरण संरक्षण के बहुआयामी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया है। पहली नजर में यह नीति आकर्षक लगती है। लेकिन जब इसके पीछे के निवेश, उत्पादन क्षमता, सरकारी ऋण, ब्लेंडिंग लक्ष्य, कंपनियों की बैलेंस शीट और शेयर बाजार की गतिविधियों को एक साथ परखा जाता है, तो एक असहज सवाल खड़ा होता है कि क्या भारत में इथेनॉल नीति ऊर्जा सुरक्षा का कार्यक्रम है, या टैक्सपेयर के पैसों पर खड़ा किया गया एक ऐसा औद्योगिक ढांचा, जिसे अब कृत्रिम माँग पैदा करके बचाया जा रहा है?

सबसे बड़ा प्रश्न उत्पादन क्षमता का है। भारत ने करीब 20झ21 अरब लीटर वार्षिक इथेनॉल उत्पादन क्षमता तैयार कर ली है, जबकि वर्तमान और निकट भविष्य की वास्तविक घरेलू आवश्यकता सिर्फ. 10झ12 अरब लीटर के आसपास मानी जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि अतिरिक्त क्षमता किस आधार पर बनाई गई? क्या बाजार की वास्तविक माँग के आधार पर, या फिर सरकारी प्रोत्साहन, सस्ती वित्तीय सहायता और भविष्य के अत्यधिक आशावादी अनुमानों के आधार पर?

दरअसल, यहाँ कहानी का दूसरा पक्ष शुरू होता है। इथेनॉल संयंत्रों की स्थापना के लिए हजारों करोड़ रुपये के सब्सिडी वाले ऋण, ब्याज सहायता और सरकारी गारंटी उपलब्ध कराई गई। इन योजनाओं का उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना था, लेकिन यदि उत्पादन क्षमता माँग से बहुत आगे निकल जाए, तो वही क्षमता उद्योग पर बोझ बन जाती है। तब सरकार के सामने दो ही विकल्प बचते हैं—या तो अतिरिक्त क्षमता को निष्क्रिय रहने दिया जाए, या फिर उसकी खपत सुनिश्चित करने के लिए नए-नए ब्लेंडिंग लक्ष्य तय किए जाएँ। ए20 के बाद ए22, ए27, ए30 और यहाँ तक कि ए85 जैसे लक्ष्यों की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा सकती है।

सवाल यह नहीं कि उच्च मिश्रण तकनीकी रूप से संभव है या नहीं; सवाल यह है कि क्या इन लक्ष्यों का निर्धारण वैज्ञानिक आवश्यकता से हो रहा है, या पहले से किए गए निवेश को बचाने के लिए?

पूरे विवाद का सबसे दिलचस्प पहलू कंपनियों की बैलेंस शीट है। सामान्य धारणा यह रही कि बड़ी चीनी और इथेनॉल कंपनियाँ इस नीति की सबसे बड़ी लाभार्थी हैं। लेकिन यदि वास्तव में कई प्रमुख कंपनियों के इथेनॉल कारोबार का परिचालन लाभ दबाव में है, तो फिर वास्तविक आर्थिक लाभ कहाँ गया? यदि फैक्ट्री का मुनाफा नहीं बढ़ा, लेकिन कुछ कंपनियों के शेयर तेजी से चढ़े, तो इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि बाजार भविष्य की सरकारी नीतियों पर दाँव लगा रहा है। ऐसे में मूल्य-सृजन उत्पादन से कम और नीतिगत अपेक्षाओं से अधिक होने लगता है।

यहीं ह्लप्रेफरेंशियल शेयरह्व और पूँजी जुटाने का सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि किसी कंपनी का वास्तविक परिचालन लाभ सीमित हो, लेकिन भविष्य में सरकारी संरक्षण और अनिवार्य माँग की उम्मीद के आधार पर उसका बाजार मूल्य बढ़ जाए, तो वह ऊँचे मूल्यांकन पर नई पूँजी जुटा सकती है। इस स्थिति में धन का स्रोत उत्पादन क्षमता नहीं, बल्कि भविष्य की सरकारी नीति में निवेशकों का विश्वास बन जाता है। यह पूँजी बाजार का स्वाभाविक व्यवहार हो सकता है, लेकिन जब उसका आधार सरकारी निर्णय हों, तब नीति और बाजार के रिश्ते की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

दरअसल, 10 जून को जारी किसी सरकारी अधिसूचना के बाद यदि संबंधित कंपनियों के शेयरों में असामान्य तेजी या अपर सर्किट देखने को मिला हो, तो इसकी स्वतंत्र जाँच और विश्लेषण आवश्यक है। केवल शेयर का बढ़ना अनियमितता का प्रमाण नहीं होता, लेकिन यदि नीति-निर्णय और बाजार की गतिविधियों के बीच असामान्य सामंजस्य दिखाई दे, तो नियामक संस्थाओं का दायित्व बनता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की अंदरूनी जानकारी या अनुचित लाभ का उपयोग न हुआ हो।

इस पूरी नीति का सबसे संवेदनशील पक्ष किसान हैं। सरकार बार-बार कहती है कि इथेनॉल कार्यक्रम किसानों की आय बढ़ाएगा। लेकिन यदि चीनी मिलों पर हजारों करोड़ रुपये का भुगतान बकाया रहे, गन्ना किसानों को समय पर भुगतान न मिले, और दूसरी ओर नई उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ती जाए, तो यह दावा अधूरा प्रतीत होता है। यदि उद्योग की वित्तीय संरचना ही दबाव में हो, तो अंततः उसका सबसे बड़ा भार किसान और करदाता—दोनों उठाते हैं। करदाता का सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस पूरी व्यवस्था में जोखिम का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक धन पर आधारित है। यदि उद्योग सफल होता है, तो निजी निवेशकों को लाभ मिलता है, लेकिन यदि क्षमता अनुपयोगी रह जाए या ऋण फँस जाएँ, तो उसका भार अंततः बैंकिंग व्यवस्था और सरकारी वित्त पर पड़ सकता है। यह वही स्थिति है, जिसे अर्थशास्त्र में ह्ললाभ का निजीकरण और जोखिम का सामाजीकरणह्व कहा जाता है।

यह भी सच है कि इथेनॉल कार्यक्रम के कई सकारात्मक पक्ष हैं। इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घट सकती है, प्रदूषण में कुछ कमी आ सकती है और कृषि-आधारित उद्योगों को नया बाजार मिल सकता है। इसलिए पूरी नीति को खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। लेकिन किसी भी सार्वजनिक नीति की सफलता केवल उसके घोषित उद्देश्यों से नहीं, बल्कि उसकी आर्थिक पारदर्शिता, लागत-लाभ विश्लेषण और जवाबदेही से तय होती है।

आज आवश्यकता यह है कि सरकार स्पष्ट रूप से बताए कि भारत की वास्तविक इथेनॉल आवश्यकता कितनी है, अतिरिक्त क्षमता का आर्थिक औचित्य क्या है, सार्वजनिक धन से दिए गए ऋणों की वर्तमान स्थिति क्या है, किसानों के बकाये कब तक चुकेंगे, और भविष्य के ब्लेंडिंग लक्ष्य स्वतंत्र वैज्ञानिक एवं आर्थिक अध्ययन पर आधारित हैं, या पहले से किए गए निवेश को बचाने की रणनीति हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के नाम पर बनाई गई कोई भी नीति तब तक विश्वसनीय नहीं मानी जा सकती, जब तक उसके हर आँकड़े, हर निवेश और हर लाभार्थी की पूरी तस्वीर जनता के सामने न रखी जाए।

क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ा निवेशक उद्योगपति नहीं, बल्कि वह करदाता है, जिसके पैसे से पूरी व्यवस्था खड़ी होती है। यदि उसी करदाता से वास्तविक लागत, जोखिम और लाभ छिपाए जाएँ, तो यह केवल आर्थिक सवाल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का भी सवाल बन जाता है।

पहली गलती पर सुधार, धोखाधड़ी पर सख्ती

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना रहा है। वैश्विक निवेश आकर्षित करने,घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाने,सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देने तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार नियामकीय सुधार कर रही है।आधुनिक अर्थव्यवस्था में केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं होते, बल्कि ऐसे कानून आवश्यक होते हैं जो ईमानदार कारोबारियों को अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक त्रुटियों को सुधारने का अवसर दें और साथ ही जानबूझकर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।इसी सोच के अनुरूप जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के अंतर्गत सुधार नोटिस व्यवस्था लागू की गई है।यह सुधारभारतीय नियामकीय व्यवस्था में दंडात्मक मानसिकता से विश्वास- आधारित अनुपालन की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विधिक मापविज्ञान किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है।जब कोई उपभोक्ता एक किलो चीनी,एक लीटर दूध,पांच सौ ग्राम मसाला, एक पैकेट दवा या किसी इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद को खरीदता है,तब वह इस विश्वास के साथ खरीदारी करता है कि पैकेट पर अंकित मात्रा, वजन, माप,मूल्य तथा अन्य जानकारी सही है। यही विश्वास बाजार व्यवस्था की आत्मा है।यदि वजन,माप और पैकेजिंग में पारदर्शिता समाप्त हो जाए तो उपभोक्ता संरक्षण,निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा तथा व्यापारिक विश्वसनीयता तीनों प्रभावित होते हैं। इसलिए दुनियाँ के लगभग सभी विकसित देशों में लीगल मेट्रोलॉजी से जुड़े कठोर मानक लागू हैं। भारत भी इसी वैश्विक व्यवस्था का सटीक हिस्सा है।साथियों, अब तक की व्यवस्था में कई बार ऐसा होता था कि कोई व्यापारी,निमार्ता,पैकर या आयातक केवल किसी प्रक्रियात्मक या दस्तावेजी त्रुटि के कारण भी दंडात्मक कार्रवाई का सामना करता था। कई मामलों में गलती धोखाधड़ी नहीं बल्कि तकनीकी अथवा प्रशासनिक चूक होती थी। इससे छोटे व्यापारियों तथा एमएसएमई इकाइयों पर अनावश्यक आर्थिक और कानूनी बोझ पड़ता था। सरकार ने महसूस किया किजानबूझकर किए गए अपराध और पहली बार हुई प्रक्रियात्मक गलती में अंतर होना चाहिए। इसी सोच के तहत पहले सुधारो, फिर कार्रवाई की नीति अपनाई गई है।नई व्यवस्था के अनुसार यदि कोई विनियमित संस्था पहली बार प्रक्रियात्मक या नियामकीय नियमों का उल्लंघन करती है, तो संबंधित विधिक मापविज्ञान अधिकारी सीधे जुमार्ना या अभियोजन शुरू करने के बजाय सुधार नोटिस जारी करेगा। इस नोटिस में स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि कौन-सी कमी पाई गई है, उसे किस प्रकार दूर करना है तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुपालन करना होगा। यदि संबंधित संस्था समय पर त्रुटि सुधार देती है तो अनावश्यक मुकदमेबाजी तथा दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सकेगा। इससे प्रशासनिक संसाधनों की भी बचत होगी और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनेगा।

साथियों, यह सुधार विशेष रूप से निमार्ताओं,आयातकों पैकिंग करने वालों, डीलरों, मरम्मत कताओं, व्यापारियों, वितरकों तथा सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए महत्वपूर्ण है। अक्सर छोटे व्यवसायों के पास बड़े उद्योगों जैसी कानूनी विशेषज्ञता उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में दस्तावेजी या पंजीकरण संबंधी त्रुटियां अनजाने में हो सकती हैं। नई व्यवस्था ईमानदार व्यवसायों को बिना भय के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करेगी।सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह राहत केवल पहली बार होने वाली प्रक्रियात्मक अथवा नियामकीय त्रुटियों तक सीमित रहेगी। यदि सुधार नोटिस के बावजूद निर्धारित समय में अनुपालन नहीं किया जाता अथवा भविष्य में वही उल्लंघन दोहराया जाता है,तो संबंधित संस्था के विरुद्ध विधिक मापविज्ञान अधिनियम के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था में बार- बार नियम तोड़ने वालों के लिए दंड और अधिक कठोर बनाया गया है।

दूसरी बार उल्लंघन पर लगभग आठ गुना तक तथा तीसरी बार बार-बार नियम तोड़ने पर बीस गुना तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि सरकार ईमानदार व्यापार को प्रोत्साहित करेगी, लेकिन जानबूझकर नियमों की अवहेलना करने वालों को किसी प्रकार की सटीकता से राहत नहीं मिलेगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी यह पाप नहीं महापाप : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के गुरु, ब्रह्मलीन महंत संत रामदास को श्रद्धांजलि अर्पित करने अयोध्या पहुंचे थे बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर

अयोध्या।
धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के गुरु, ब्रह्मलीन महंत संत रामदास को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में बजरंगबली का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा आराध्य प्रभु श्रीराम के घर में हुआ वह पाप नहीं बल्कि महापाप है। राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी में जो भी दोषी हैं, कानून तो सजा देगा ही साथ भगवान भी दंड देंगे।बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शुक्रवार को इससे पहले महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संतों और अनुयायियों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राम मंदिर प्रकरण में जांच चल रही है और जो लोग आरोपी हैं, उन्हें कानून के तहत सजा मिलेगी। उन्होंने एसआईटी और सरकार पर भरोसा जताया है। बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर ने कहा कि वर्तमान समय कलयुग से भी आगे बढ़कर छल-युग का दौर है। ऐसे में उन्होंने आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से संतों, महंतों, मठों और मंदिरों के प्रति लोगों की श्रद्धा कम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लोगों से ऐसे षड्यंत्रों से सतर्क रहने और आस्था बनाए रखने की अपील की।

पुलिस मुख्यालय में की गई पदोन्नति प्राप्त पुलिस अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी

लखनऊ।
पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में प्रान्तीय पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी की गयी। इस पिपिंग सेरेमनी 19 पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। इनमें 1998 बैच के शुएब इकबाल, 1999 बैच के अफसर राहुल मिठास, महेश सिंह अत्रि, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, शशि शेखर सिंह, कुलदीप सिंह, ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद, हरेन्द्र प्रताप यादव, बंशराज सिंह यादव, डा0 कृष्ण गोपाल, बलवंत कुमार चौधरी, 2000 बैच के अफसरों में राहुल श्रीवास्तव, प्रीति बाला गुप्ता, विकास चन्द्र त्रिपाठी, पूर्णेन्दु सिंह, हरेन्द्र कुमार ,मार्तण्ड प्रकाश सिंह, अभयनाथ त्रिपाठी और पवित्र मोहन त्रिपाठी को रैंक लगाया गया।
पदोन्नति पाये समस्त 28 पुलिस अधिकारियों को बधाई देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की

शुभकामनाएं दी गयी।
डीजीपी ने पदोन्नति पाये सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुये कहा कि पुलिस सेवा अत्यन्त चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिस स्थान पर तैनाती मिले वहां पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

अकादमिक उत्कृष्टता को करियर से जोड़ेगा विश्वविद्यालय कैंपस : कुलपति

अयोध्या।
डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के युवाओं के करियर को नई उड़ान देने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आहूत की गई, जिसमें परिसर में निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग सेल' की स्थापना का निर्णय लिया गया। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े मेधावी छात्रों को देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक सुलभ और उच्च स्तरीय मंच प्रदान करना है।
कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के संसाधन और विशेषज्ञता अब केवल पारंपरिक पाठ्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि युवाओं के सपनों को गति देने का माध्यम बनेंगे। इस निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा सेल के जरिए हमारा उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता को सीधे करियर के अवसरों से जोड़ना है। यह मंच परिसर के साथ-साथ बाहरी क्षेत्रों के ग्रामीण व शहरी छात्रों के लिए भी समान

रूप से खुला रहेगा। नेट और एसएससी से शुरू होकर हमारा अगला पड़ाव देश की सबसे प्रतिष्ठित यूपीएससी परीक्षा की भी तैयारी कराना है। विश्वविद्यालय प्रशासन हर छात्र के स्वर्णिम भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा विद्यार्थियों के करियर को संवारना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। परिसर में प्रतियोगी परीक्षा सेल का गठन इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले मेधावी छात्रों को अक्सर संसाधनों के अभाव में बेहतर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता।

मादक पदार्थों की तस्करी रोकने को यूपी-एमपी पुलिस की संयुक्त रणनीति

झांसी।
मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में अंतर्राज्यीय समन्वय को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के ओरछा में अंतर्राज्यीय बॉर्डर मीटिंग आयोजित की गई।
बैठक में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लेते हुए संयुक्त रणनीति तैयार की।
यह बैठक भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा 9वीं एपेक्स लेवल कमेटी (NCORD) की बैठक में दिए गए निर्देशों तथा पुलिस मुख्यालय भोपाल के

निर्देशों के अनुपालन में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन पुलिस उप महानिरीक्षक छतरपुर रेंज विजय कुमार खत्री के निर्देशन में हुआ, जिसमें सागर जोन (मध्य प्रदेश) एवं उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर जनपदों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए।
बैठक में झांसी परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक आकाश कुलहरि, सागर जोन के पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी बी.बी.जी.टी.एस. मूर्ति, पुलिस अधीक्षक ललितपुर मोहम्मद मुस्ताक, पुलिस अधीक्षक निवाड़ी डॉ. राय सिंह नरवरिया, पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया, पुलिस अधीक्षक छतरपुर रजत सकलेचा, पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई, पुलिस अधीक्षक पन्ना निवेदिता नायडू तथा पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में नारकोटिक ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक पदार्थों (एनडीपीएस) की तस्करी रोकने, ड्रग पैडलरों और सक्रिय गिरोहों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई, फरार एवं पूर्व में गिरफ्तार अपराधियों की जानकारी साझा करने, खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान तथा सीमावर्ती जिलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।
बैठक में निर्णय लिया गया कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले आपसी समन्वय के साथ मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन और नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध लगातार संयुक्त अभियान चलाएंगे।
अधिकारियों ने विश्वास जताया कि सूचना साझा करने और समन्वित कार्रवाई से नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा तथा 'नशामुक्त भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

मुरादाबाद : यूपीटीईटी के चलते 06 जुलाई को आयोजित होगा संपूर्ण समाधान दिवस

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) -2026 के दृष्टिगत 04 जुलाई के स्थान पर 6 जुलाई को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शों के अनुसार उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 का आयोजन जनपद सहित प्रदेशभर में 2, 3 एवं 4 जुलाई को आयोजित हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाला संपूर्ण समाधान दिवस इस बार परीक्षा के दृष्टिगत 4 जुलाई, 2026 (शनिवार) को आयोजित नहीं किया जाएगा। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार संपूर्ण समाधान दिवस अब 6 जुलाई, (सोमवार) को पूर्व निर्धारित रोस्टर के अनुसार आयोजित किया जाएगा।

साइबर ठगी के पैसे से आभूषण खरीदकर ठगी करने वाला आरोपित गिरफ्तार

गोरखपुर।
साइबर अपराध से अर्जित धनराशि का उपयोग कर आभूषण खरीदकर ठगी करने के मामले में शाहपुर थाना पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान धीरज सिंह पुत्र हरकेश सिंह निवासी ग्राम उचका गाम, थाना कुचायकोट, जनपद गोपालगंज (बिहार) के रूप में हुई है।
पुलिस ने उसके खिलाफ थाना शाहपुर में मु0अ0सं0 287/2026 धारा 318(4), 61(2) भा.न्या.सं. के तहत कार्रवाई की है और आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।
मामले के अनुसार, एक आभूषण की दुकान में कार्यरत मैनेजर ने थाना शाहपुर में प्रार्थना पत्र देकर सूचना दी थी कि एक व्यक्ति द्वारा अलग-अलग तिथियों में करीब 50 लाख रुपये मूल्य के आभूषण खरीदे गए। इन आभूषणों का भुगतान विभिन्न फर्मों के नाम से संचालित बैंक खातों के माध्यम से किया गया था।
कुछ समय बाद संबंधित फर्म के बैंक खाते को होल्ड किए जाने संबंधी बैंक से ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें बताया गया कि उक्त खाते का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन में किया गया है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।
विवेचना के दौरान सामने आया कि आभूषण खरीदने वाला व्यक्ति लगातार वीडियो कॉल के माध्यम से धीरज सिंह के संपर्क में था और उसी के निर्देश पर आभूषणों का चयन व खरीद की जा रही थी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि धीरज सिंह एवं अन्य व्यक्ति ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि का इस्तेमाल कर आभूषण खरीदकर ठगी की घटना को अंजाम दिया। थाना प्रभारी ने शुक्रवार को बताया पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

रोडवेज में बड़ी कार्रवाई : 87 चालक-परिचालकों की संविदा पर संकट

बांदा।
उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) के बांदा डिपो में लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी से गायब चल रहे संविदा कर्मियों पर निगम ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने 44 संविदा चालकों और 43 संविदा/आउटसोर्स परिचालकों को अंतिम नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि यदि वे 6 जुलाई 2026 तक ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होते हैं तो उनकी संविदा समाप्त कर दी जाएगी।
निगम का कहना है कि लगातार अनुपस्थिति से बस संचालन प्रभावित हो रहा है, यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है और विभाग की छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।
सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक देशराज ने शुक्रवार को बताया कि कई चालक और परिचालक जनवरी, मार्च, अप्रैल, मई और जून 2026 से लगातार अनुपस्थित हैं, जबकि कुछ कर्मियों को कम ड्यूटी करने का आदी भी बताया गया है। वरिष्ठ केंद्र प्रभारी की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर के पहिए की चपेट में आने से किसान की मौत

खेत में खाद डालने के दौरान हुआ हादसा

हमीरपुर ।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शुक्रवार को खेत में गोबर की खाद डालने के दौरान ट्रैक्टर के पहिए की चपेट में आने से एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया।
इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।
राठ कोतवाली के बरदा गांव निवासी देशपत (65) के पास करीब सात बीघा जमीन है।

पहली बारिश में डूबा झांसी, कांग्रेस का नगर निगम पर हल्ला बोल

झांसी।
मानसून की पहली ही बारिश ने झांसी में जलभराव और सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। शहर के कई गली-मोहल्लों और कॉलोनियों में बारिश का गंदा पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जगह-जगह जलभराव के कारण आवागमन प्रभावित हुआ और नागरिकों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। इस स्थिति को लेकर कांग्रेस नेताओं ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी परियोजना पर गंभीर सवाल उठाए।
शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के नेतृत्व में दर्जनों

कांग्रेसी कार्यकर्ता हाथों में वाइपर और डस्टबिन लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों का घेराव करते हुए प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं पूरी तरह विफल साबित हुई हैं।
प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि नगर निगम ने नालों की सफाई का जिम्मा निजी कंपनी को सौंपा था, लेकिन इसके बावजूद नालों की प्रभावी सफाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई कार्य में केवल भ्रष्टाचार हुआ, जिसका खामियाजा अब शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। उनका कहना था कि यदि समय रहते नालों की समुचित सफाई की गई होती तो पहली ही बारिश में शहर के कई हिस्सों में जलभराव की नौबत नहीं आती।
कांग्रेस नेताओं ने बताया कि लक्ष्मी गेट, गल्ला मंडी रोड, अजय एन्क्लेव, गुदरी मोहल्ला, बड़ागांव गेट के बाहर सहित शहर के अनेक क्षेत्रों में बारिश का पानी भर गया, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ। उन्होंने नगर निगम से तत्काल जलनिकासी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।
प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो कांग्रेस व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगी।
इस अवसर पर अधिवक्ता विवेक वाजपेई, अमीरचंद, डॉ. सुनील तिवारी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मरीजों की सुरक्षा से समझौता नहीं, होगी कठोर कार्रवाई : जिलाधिकारी

झांसी।
उत्तर प्रदेश में जनपद झांसी के निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और क्लीनिकों में फायर सेफ्टी मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में संचालकों एवं चिकित्सकों के साथ बैठक की।
उन्होंने कहा कि झांसी बुंदेलखंड का प्रमुख मेडिकल हब है, इसलिए मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
डीएम ने निर्देश दिए कि 50 बेड से अधिक क्षमता वाले सभी अस्पताल अनिवार्य रूप से फायर एनओसी प्राप्त करें। प्रत्येक तल पर आईएसआई मार्क वाले फायर एक्सटिंग्विशर, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म, हूटर और स्प्रिंकलर सिस्टम लगाए जाएं। आईसीयू, एनआईसीयू और ऑपरेशन थिएटर में प्रवेश व निकास की अलग व्यवस्था हो तथा वहां किसी भी प्रकार की ज्वलनशील सामग्री न रखी जाए।
उन्होंने स्पष्ट किया कि बेसमेंट का उपयोग मरीजों के वार्ड के रूप में नहीं, बल्कि केवल पार्किंग या स्टोर के लिए किया जाए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी आर.के. राय ने अस्पतालों में छह माह के अंतराल पर विद्युत वायरिंग की जांच, स्टाफ को नियमित मॉक ड्रिल प्रशिक्षण और यूपीएस व जनरेटर के लिए अलग फायर प्रूफ कक्ष बनाने की सलाह दी।
अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पल्लवी मिश्रा ने वार्षिक फायर ऑडिट रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय में जमा कराने और आपातकालीन निकास मार्ग हर समय खुला रखने के निर्देश दिए।
डीएम ने चेतावनी दी कि मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा अधिनियम-2022 के तहत 50 हजार से पांच लाख रुपये तक जुमार्ना तथा पंजीकरण निरस्त करने जैसी कार्रवाई की

यात्री सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन से प्रयागराज मंडल ने बनाया नया रिकॉर्ड

प्रयागराज।
उत्तर मध्य रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। जून 2026 में प्रयागराज मंडल ने यात्री आय और अन्य कोचिंग आय दोनों क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्य से अधिक राजस्व अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जानकारी शुक्रवार को उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारीअमित कुमार सिंहने दी।
उन्होंने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरिमोहन के निर्देशन में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, टिकट जांच अभियान को प्रभावी बनाने तथा राजस्व प्रबंधन को मजबूत करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।
जून 2026 के दौरान प्रयागराज मंडल ने 155.45 करोड़ रुपये की यात्री आय अर्जित की, जो जून 2025 की तुलना में 10.42 प्रतिशत अधिक तथा निर्धारित लक्ष्य 147.80 करोड़ रुपये से 5.18 प्रतिशत अधिक रही। इसी अवधि में मंडल से 70.39 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जो पिछले वर्ष

पार्टी कार्यकताओं का सम्मान सर्वोपरि हो : रामकेश निषाद

बांदा।
भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत सीटों पर अपना परचम लहराने के लिए कार्यकताओं को अभी से तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया है ' भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने शुक्रवार को कहा कि अब आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को दृष्टिगत रखते हुए सभी कार्यक्रम आयोजित किये जाएँ ।
पार्टी में कार्यकताओं का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए अब अपेक्षित शब्द का इस्तेमाल बंद हो हमें ज्यादा से ज्यादा कार्यकताओं को जोड़ने की जरूरत हैं और यह तभी होगा जब हम सभी कार्यकताओं

को एक सामान दृष्टि से जगह ० सम्मान दें। उन्होंने कहा उनसे संवाद करें' अब डिजिटल इण्डिया ने भारत के जुड़ने , नवाचार करने और आगे बढ़ने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है ' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन 11 साल डिजिटल क्रांति भारत की पहचान बन गई हैं' राष्ट्रीय परिषद सदस्य संतोष गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली पूँजी हैं संगठन का वास्तविक आधार कार्यकर्ता होता है' उन्होंने कहा कि जब बूथ मजबूत होगा तभी पार्टी मजबूत होगी इसलिए बूथ को सक्रिय व सशक्त बनाने की जरूरत है इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को बूथ स्तर पर जाकर कार्य करना होगा '
जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने कहा कि कार्यकताओं को अब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी को लेकर कार्य करना होगा' अब समय नजदीक है इसलिए सभी लोग अभी से संगठन की मंसा के अनुरूप कार्य करें और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें ' बैठक का संचालन करते हुए जिला महामंत्री निखिल सक्सेना ने कहा कि सभी पदाधिकारी मण्डल, शक्तिकेंद्र व बूथ स्तर तक कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपें ' उन्होंने आगामी होने वाले जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी अभी से करने का आह्वाहन किया ' बैठक में अमित सेठ भोलू, ममता मिश्रा, उत्तम सक्सेना, दुर्गा चौरसिया, प्रेम नारायण पटेल, पंकज रायकवार, विष्णु प्रताप सिंह, संतू गुप्ता, रामभवन उपाध्याय, रूपा चौहान, देशराज सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान तलाशने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री के हालिया आंध्र प्रदेश दौरे के बाद लिया गया, जहां किसानों ने उन्हें बताया कि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग में बड़े पैमाने पर उपयोग होने वाली तोतापुरी आम की किस्म के दाम पिछले कुछ महीनों में काफी गिर गए हैं।किसानों ने बताया कि कीमतों में लगातार गिरावट से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है और आम उत्पादक किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है।इन परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री ने आईसीएआर को वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जो तोतापुरी आम से जुड़े पूरे क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करेगी।समिति को खेती, प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू व्यापार और निर्यात सहित पूरी वैल्यू चेन का विश्लेषण करने और किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं टिकाऊ विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।कृषि मंत्री ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करे। इस दौरान समिति किसानों, प्रोसेसिंग उद्योग के प्रतिनिधियों, निर्यातकों, राज्य के बागवानी विभाग के अधिकारियों, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन करेगी।समिति तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत, किसानों की आय, प्रसंस्करण क्षमता और उसके उपयोग, मांग और आपूर्ति की स्थिति तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में आई गिरावट के कारणों का अध्ययन करेगी।

उज्ज्वला योजना अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे नए नियम, लाभार्थियों को मिलेंगे लगभग 1200 कम

नई दिल्ली ।

द्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उज्ज्वला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी। इसके बाद साझेदारी को पांच वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा।

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 262 अंक उछला; रियल्टी, आईटी और फार्मा शेयर चमके

मुंबई।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

इस दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढकर 77,763.91 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,270.85 पर पहुंच गया।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,502.12 से 0.83 प्रतिशत यानी 650.22 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 78152.34 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 655.40 अंकों यानी 0.84 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,157.52 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.70 से 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 0.83 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,378.15 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार तीन सत्रों की बढ़त के साथ सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वहीं, एनएसई में तीन दिनों में 400 से अधिक अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तरह, इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार चौथे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी हेल्थकेयर (1.8 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.7 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.7 प्रतिशत) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.16 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया।

डॉलर सूचकांक के मुकाबले पिछले 15 महीनों के उच्च स्तर से नीचे आने से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग के कारण रुपये पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.35 पर बंद हुआ था।इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 100.81 पर रहा जो हाल के 15 महीनों के उच्च स्तर 101.6 से नीचे है।

झारखंड का आईटी क्रांति पर जोर, 'विजन 2050' के लिए दिल्ली में बैठक

रांची ।

झारखंड सरकार अपने महत्वाकांक्षी 'विजन 2050' के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में, राज्य सरकार 8 जुलाई से नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श सम्मेलन आयोजित करेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य झारखंड को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज के क्षेत्र में एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रमुख नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज जैसे क्षेत्रों में राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने पर केंद्रित होगा, साथ ही औद्योगिक निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। सम्मेलन के दौरान, झारखंड में निवेश एवं आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से कई प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जो राज्य के 'एक्सप्लोर इनफिनिट अपॉर्च्युनिटीज' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक तीन गुना बढ़कर 100 गीगावाट होने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक बढ़कर 100 गीगावाट हो सकती है, जो कि 2025 में 32 गीगावाट है। साथ ही स्थापित एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की क्षमता 10 गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में इस तेज वृद्धि का श्रेय कंपनियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, आसमान छूते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा लचीलेपन की बढ़ती आवश्यकता को दिया गया है, जिसमें राज्य-स्तरीय नियामक इनोवेशन स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। यह रिपोर्ट नई दिल्ली के यशोभूमि (आईआईसीसी) में 8-10 जुलाई को होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक(आईईएसडब्ल्यू) 2026 में जारी की जाएगी। इसमें 200 से अधिक प्रदर्शक और 10,000 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स शामिल होंगे। यह इवेंट क्लीन एनर्जी वैल्यू चेन में पॉलिसी पर चर्चा, टेक्निकल जानकारी के आदान-प्रदान और इनोवेशन को दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच होगा। आईईएसडब्ल्यू 2026 में भारी उद्योग, खान, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यावरण जैसे अहम मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधियों और रेगुलेटरी बॉडीज के साथ मिलकर खुली बातचीत करेंगे। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस इवेंट में पॉलिसी से जुड़ी रुकावटों, राज्य-स्तर के सुधारों और इंडस्ट्री की जरूरतों पर खुलकर चर्चा होगी। इसका मकसद भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव) को तेजी देने के लिए ऐसे समाधान निकालना है जिन्हें असल में लागू किया जा सके। आईईएसडब्ल्यू के अध्यक्ष देबमाल्य सेन ने कहा, ÷हमारी नई रिसर्च से पता चलता है कि भारत का सीएंडआई (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) एनर्जी स्टोरेज मार्केट न सिर्फ बढ़ रहा है, बल्कि एक नए दौर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्यों की दूरदर्शी नीतियों और

कॉर्पोरेट जगत से बढ़ती मांग के कारण, स्टोरेज अब सिर्फ बैकअप नहीं, बल्कि मजबूती और डीकार्बोनाइजेशन के लिए एक अहम रणनीतिक टूल बनता जा रहा है।

अभी जो तेजी दिख रही है, वही अगले दशक में इस सेक्टर की दिशा तय करेगी।÷ रिपोर्ट में महाराष्ट्र की नई रिन्यूएबल एनर्जी और स्टोरेज पॉलिसी पर जोर दिया गया है, जिसके तहत 100 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले हर नए रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के लिए स्टोरेज की सुविधा जरूरी है। इस पॉलिसी के अनुसार, डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को भी वित्त वर्ष 2035-36 तक अपनी कुल बिजली का 10 प्रतिशत हिस्सा स्टोरेज से हासिल करना होगा। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान भी कॉस्ट-रिफ्लेक्टिव बैंकिंग, सेटलमेंट पॉलिसी और ट्रांसमिशन चार्ज में छूट जैसे उपायों के जरिए इसे तेजी से अपनाने में मदद कर रहे हैं। स्टोरेज तकनीक को अपनाने में इंडस्ट्रियल यूनिट्स सबसे आगे रहेंगी और कुल ईएसएस इंस्टॉलेशन में इनकी हिस्सेदारी आधे से अधिक होगी। वहीं, डेटा सेंटर और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि हॉस्पिटल, मेट्रो और रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट में इसकी सबसे तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

जून में भी भारत को सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई करने वाला देश बना अमेरिका

नई दिल्ली।

अमेरिका जून में भी भारत को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाला देश बना रहा। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है, जिसके चलते अमेरिका ने पारंपरिक खाड़ी देशों पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत ने अमेरिका से 7.73 लाख मीट्रिक टन (773.78 टीएमटी) एलपीजी आयात की, जो मई की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून के दौरान भारत का कुल एलपीजी आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 11.91 लाख मीट्रिक टन (1,191 टीएमटी) हो गया, जबकि मई में यह 11.55 लाख मीट्रिक टन (1,155 टीएमटी) था। जून में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा, जहां से आयात 16.6 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया, जो मई में 1.34 लाख मीट्रिक टन था।

वहीं, सऊदी अरब और कुवैत

ने जून में भारत को 64-64 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की।

अमेरिका से एलपीजी आयात में लगातार बढ़ोतरी भारत की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध बनाया जा रहा है। इसी दिशा में सरकारी तेल रिफाइनरियों ने 2026 से अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है, जिससे भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग और मजबूत होगा तथा खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

आईटी सेक्टर- पहली तिमाही में बड़ी कंपनियों को झटका, मिडकैप रहेंगे मजबूत

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही चुनौतियों भरी रह सकती है। वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनावों का असर बड़ी कंपनियों की आय और ग्रोथ पर साफ दिखेगा। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान छोटी और मध्यम आकार की आईटी कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख आईटी कंपनियों में इन्फोसिस सबसे मजबूत ग्रोथ दर्ज कर सकती है, जिसके बाद टेक महिंद्रा का स्थान रहेगा। टीसीएस लगभग पिछली तिमाही जैसा कारोबार दिखाएगी, जबकि एचसीएलटेक और विप्रो के राजस्व में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, मिड साइज सेगमेंट में कोफोर्ज सबसे तेज ग्रोथ दिखा सकती है। हेक्सावेयर, परसिस्टेंट सिस्टम्स और एम्फैसिस से भी अच्छे नतीजों की उम्मीद है। नुवामा का कहना है कि ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट तो मिलेंगे, लेकिन राजस्व में बड़ी उछाल की संभावना कम है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश कंपनियों के ऑपरेटिंग मार्जिन स्थिर रहने की उम्मीद है, हालांकि वेतन वृद्धि वाली कंपनियों पर थोड़ा दबाव रहेगा। कंपनियाँ अपने वार्षिक अनुमानों को बरकरार रख सकती हैं।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए, साथ ही मिलेगा मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

नई दिल्ली।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आइडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ संरचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वर्चुअल संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने फिक्की और मर्सिडीज-बेंज इंडिया को इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहल भारत के तेजी से विकसित हो रहे इनोवेशन इकोसिस्टम और देश के युवा उद्यमियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग नवाचार करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधान विकसित

करने में मदद करता है। उनके अनुसार, इस तरह के साझेदारी आधारित प्रयास भारत को नवाचार-आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने और वैश्विक इनोवेशन लीडर बनाने के लिए बेहद आवश्यक हैं।

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, जीएसटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शहरों से बढ़ी हुई मांग और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रुचि और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों के दम पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त वर्ष 27 के लिए वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।÷

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर लगभग 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि, भू-राजनीतिक जोखिम और अल नीनो पर नजर रखना जरूरी है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 में अपने 25 रेटेड सेक्टरों में से 22 के लिए स्थिर क्रेडिट आउटलुक का अनुमान लगाया गया है। इसे मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, अच्छी बैलेंस शीट, बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित कैश फ्लो का समर्थन मिला है।

टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरेजिंग (कर्ज कम करने), पॉलिसी सपोर्ट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है।

रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया।

कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, ÷पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है, जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं।÷ 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया।

साल की पहली छमाही में मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स में से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 0.3 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, जो एक साल पहले की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इसके उलट, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 43 प्रतिशत घटकर 0.5 अरब डॉलर रह गया, क्योंकि बढ़ती लागत और घरों की बिक्री में कमी के बीच निवेशक सतर्क रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके के हिसाब से देखें तो चेन्नई और बेंगलुरु में कुल मिलाकर लगभग 1.2 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो 2026 की पहली छमाही के दौरान संस्थागत निवेश का लगभग 27 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 262 अंक, निफ्टी 95 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में उछाल दर्ज किया गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक बढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.15 अंक उछलकर 24,270.85 पर पहुंच गया। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज कारोबार के दौरान सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी एनर्जी , निफ्टी ऑटो , निफ्टी मीडिया , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी बैंक का स्थान रहा। निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मैक्स हेल्थकेयर, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और भारती एयरटेल शामिल रहे। वहीं एक्सिस बैंक, एसबीआई, एलएंडटी, बजाज-ऑटो, एचडीएफसी लाइफ, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 479.75 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 480.24 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

–सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनो मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौरे में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखना होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजी में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम है। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, फिल सॉल्ट और टॉम बैंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

–कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनो ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

तीन मैचों की यह एकदिवसीय श्रृंखला क्रमशः 14, 16 और 19 जुलाई को खेली जाएगी। पहला मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में, दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में और निर्णायक तीसरा मैच क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

इस टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। मार्च 2021 के बाद पहली बार एकदिवीसय क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर इंग्लैंड के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। अपनी रफ्तार, बाउंस और यॉर्कर से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आर्चर की वापसी इंग्लैंड के लिए बेहद अहम है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीश को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुँचे

जाग्रेब, क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए खुद को सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है, पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाज़ियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है अब अंतिम दिन उन्हें उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव, जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा का सामना करना है, वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह क़ायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसत्तोरोव और अलीरेजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की, फ़िलहाल फ्रांस के अलीरेजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर है.

फीफा विश्वकप : स्विट्ज़रलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंकूवर (एजेंसी)। ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्ज़रलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्ज़रलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिय।। मैच में योहान मंजाम्बी के एक क्रास पर ब्रिल एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्ज़रलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शॉट को रोकने का पूरा प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्ज़रलैंड की ओर से फैबियन रीडर ने इसके बाद एक अच्छा मूव बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्ज़रलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्ज़रलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

'सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा', डेब्यू का इंतजार कर रहे युवा खिलाड़ी पर बोले पूर्व विकेटकीपर

स्पोर्ट्स डेस्क। वैभव सूर्यवंशी का इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है, जबकि उन्हें टीम में शामिल करने की मांग तेज होती जा रही है। 15 साल के इस शानदार बल्लेबाज को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में भी उन्हें जगह नहीं मिली। लगातार बाहर रहने के बावजूद उन्हें लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है। IPL में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों का भरपूर समर्थन मिला है। कई लोगों का मानना है कि उन्हें जल्द ही मौका मिलना चाहिए। लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल का मानना है कि सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा। पटेल ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि इस सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को जरूर मौका मिलेगा। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं।' भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछाड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है। उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन

टोरंटो। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2-1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड-ऑफ-32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और भावुक होकर अपने साथियों के साथ इकट्ठा होते हुए आसमान की ओर इशारा किया। शुक्रवार को जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में मृत्यु को ठीक एक साल पूरा हो जाएगा। डियोगो जोटा ने पुर्तगाल के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। रोनाल्डो ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, 'हमें मैच से पहले ही पता था, यह एक बहुत ही खास पल था। आज हम सब मिलकर जीवन के इस संयोग के बारे में बात कर रहे हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि आज की स्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है, न केवल इसलिए कि हमने मैच जीता बल्कि जिस तरह से हमने जीता।'

इंग्लैंड ने दक्षिण अफीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर-ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर-ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्माइल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्लाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर-ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफीका की शुरआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटरों, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई घूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदर मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को नई दिशा दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास को भी हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इस ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में हरभजन ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए कुल 32 विकेट झटके। इसी सीरीज में उन्होंने शानदार हैट्रिक ली, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा ली गई पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।

हरभजन की सबसे बड़ी ताकत उनकी आक्रामक शैली, कभी न हार मानने वाला जज्बा और उनकी रहस्यमयी गेंद 'दूसरा' थी। एक ऑफ स्पिनर होते हुए भी गेंद को लेग स्पिनर की तरह बाहर की तरफ निकालने की इस दुर्लभ कला ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी भ्रमित कर दिया। भज्जी केवल टेस्ट क्रिकेट के ही नहीं, बल्कि सीमित ओवरों के भी बेताज बादशाह थे। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से

निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

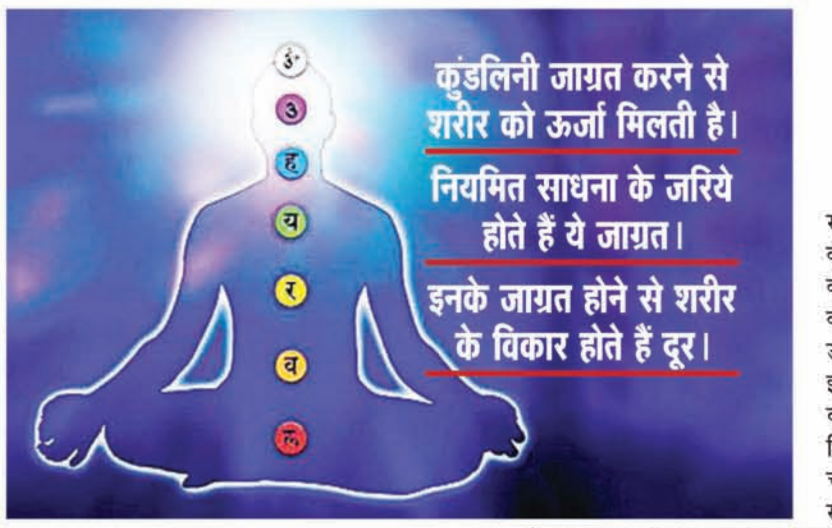

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

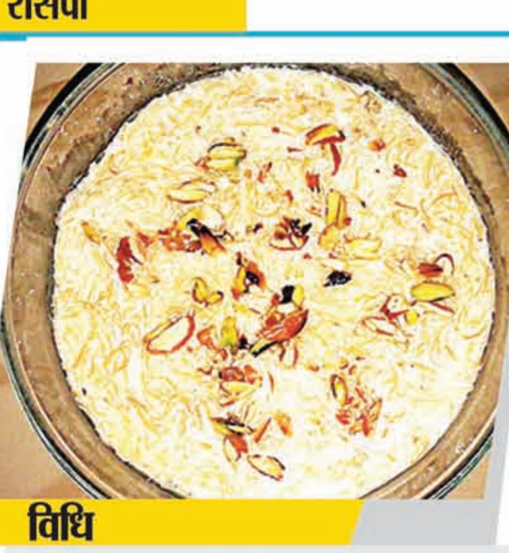

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक काटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू …): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3937

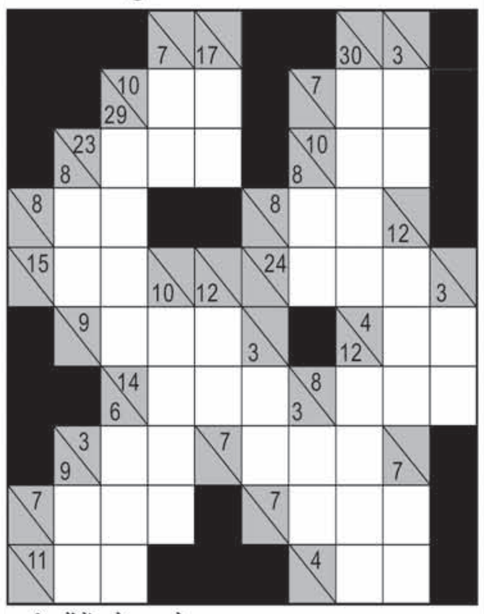

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3936 का हल

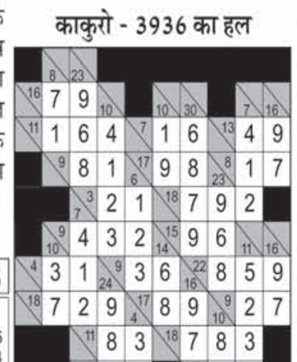

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3937

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3936

सूडोकु -3937

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3936 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3937

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3936 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी